



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

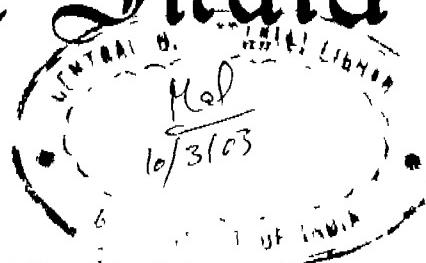
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 222]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 27, 2002/भाद्र 5, 1924

No. 222]

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 27, 2002/BHADRA 5, 1924

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क प्राविदेशालय)

जांच प्रारंभ अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 अगस्त, 2002

विषय: चीन जनवादी गणराज्य से पैरा क्रेसोल के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू करना।

सं. 14/29/2002-डीजीएडी.—मै. अतुल लि. गुजरात ने 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं वसूली और क्षति निर्धारण) नियम 1995 के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष याचिका दायर की है : जिसमें चीन जनवादी गणराज्य मूल के अथवा वहां से आयातित पैरा क्रेसोल के पाटन का आरोप लगाया गया है तथा पाटनरोधी जांच करने और पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया गया है।

शामिल उत्पाद

2. मौजूदा याचिका में शामिल किया गया उत्पाद पैरा क्रेसोल है जिसे इनके बाद में संबद्ध वस्तु कहा गया है। यह आई टी सी एवं एस कोड 29071201, और सीमाशुल्क वर्गीकरण के शीर्ष 2907.12 के अंतर्गत वर्गीकृत है। यह उत्पाद मुख्यतः डाई एवं पिगमैट, परफ्यूमरी और ड्रग इंटरमीडिएट्स, आर्टिकल ब्राइटनर, सरफैक्टैट्स सिथैटिक फूड फ्लेवर, अल्ट्रावायलेट लाइट एवर्जाररस, एन्टी आकरीडेन्ट्स और तुव्रिकेन्ट्स के लिए स्टैब्लाइजर में प्रयोग किया जाता है। तथापि सीमाशुल्क वर्गीकरण के केवल सांकेतिक है और मौजूदा जांच के क्षेत्र में किसी भी तरह से बाध्य नहीं है।

घरेलू उद्योग

3. यह याचिका मैसर्स अतुल लि. गुजरात द्वारा दायर की गई है। वे भारत में पैरा क्रेसोल के एकमात्र उत्पादक हैं। अतः याचिकाकर्ता संबद्ध वस्तुओं के घरेलू उत्पादन का 100% हिस्सेदार है। इसलिए याचिकाकर्ता उपरोक्त नियमों के नियम 5(3)क के अनुसार घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दायर करने की स्थिति में होने के मानदंडों को पूरा करता है।

शामिल देश

4. गौजूदा जांच में शामिल देश चीन जनवादी गणराज्य है (जिसे इसके बाद संबद्ध देश कहा गया है।)

समान वस्तु

5. याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि उनके द्वारा विनिर्भित उत्पाद और संबद्ध देश से आयात की जा रही संबद्ध वस्तु के बीच कोई अंतर नहीं है। इसलिए वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित वस्तु को उपरोक्त नियमों के अर्थ के भीतर संबद्ध देशों से आयातित वस्तु के समान वस्तु माना जा रहा है।

सामान्य मूल्य

6. याचिकाकर्ता ने उत्पादन की परिकलित लागत के आधार पर चीन जनवादी गणराज्य से संबद्ध वस्तुओं के निर्यात के संबद्ध में सामान्य मूल्य का दावा किया है, जिसमें चीन को गैर-बाजार अर्थ व्यवस्था वाले देश के रूप में माना है। प्राधिकारी ने यथा संशोधित पाटन रोधी नियमों के अनुबंध 1 के पैरा 7 और 8 को ध्यान में रखते हुए याचिकाकर्ता के दावे की जांच का प्रस्ताव किया है। प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा यथा प्रस्तुत उत्पादन के परिकलित 'सामान्य मूल्य' के आधार पर चीन जनवादी गणराज्य में संबद्ध वस्तुओं का प्रथम दृष्टया सामान्य मूल्य माना है।

निर्यात मूल्य

7. याचिकाकर्ताओं ने आंकड़ों के गौण स्रोतों से एकत्रित आयात आंकड़ों के आधार पर संबद्ध देशों से निर्यात कीमत का निर्धारण किया है। कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत परिणामित करने के लिए समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, निर्यात के देश में अंतर्देशीय परिवहन, पत्तन हैंडलिंग तथा पत्तन प्रभारों के लिए समायोजन कर दिए जाने का दावा किया गया है।

पाटन मार्जिन

8. इस बात के पर्याप्त साक्ष्य हैं कि संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तु का सामान्य मूल्य निर्यात कीमत से काफी अधिक है जिससे प्रथम दृष्टया यह पता चलता है कि संबद्ध देशों के निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तु का पाटन किया जा रहा है।

क्षति एवं कारणात्मक संबंध

9. याचिकाकर्ताओं ने क्षति से संबंधित विभिन्न मानदंडों की सूचना प्रस्तुत की है। आयातों की मात्रा में वृद्धि निवेश पर कम लाभ, मालसूची में वृद्धि, कीमत में कमी, उत्पादन और संबद्ध वस्तु की बिक्री में घटा और संबद्ध वस्तु के निर्माण में निवेशों पर नकारात्मक लाभ जैसे मानदंडों से समग्र तथा संचयी रूप से प्रथम दृष्टया यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को पाटन के कारण वास्तविक क्षति हुई है।

पाटनरोधी जांच का प्रारंभ

10. उपरोक्त पैराग्राफ के दृष्टिकोण से निर्दिष्ट प्राधिकारी संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहा से निर्यातित संबद्ध वस्तु के कथित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा तथा उसके प्रभाव की पाटनरोधी जांच आरंभ करते हैं।

जांच की अवधि

11. मौजूदा जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि 1 अप्रैल, 2001 से 31 मार्च, 2002 है।

सूचना देना

12. संबद्ध देशों में निर्यातकों और भारत में आयातकों, जिन्हे इस जांच से संबंधित समझा जाता है, को अलग-अलग पत्र लिखे जा रहे हैं कि वे निर्दिष्ट प्राधिकारी, पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय, वाणिज्य विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 को निर्धारित प्रपत्र में तथा ढंग से संबंधित सूचना प्रस्तुत करें तथा अपने विचारों से अवगत कराएं। कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी नीचे निर्धारित समयावधि के भीतर निर्धारित प्रपत्र और विधि से जांच से संबंधित अनुरोध कर सकती है।

समय सीमा

13. वर्तमान जांच से संबंधित कोई सूचना प्राधिकारी को उपरलिखित पते पर लिखित में इस प्रकार भेजी जानी चाहिए कि वह अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख के 40 दिन के भीतर पहुंच जाए। ज्ञात निर्यातकों एवं आयातकों जिन्हें पृथक-2 संबोधित किया जा रहा हैं, के लिए यह आवश्यक है कि वह उन्हें अगले अलग जारी किए गए पत्रों की तारीख से 40 दिन के अंदर सूचना प्रस्तुत कर दें।

सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण:

14. नियम 6(7) के अनुसार कोई भी हितबद्ध पक्षकार उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है जिसमें अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साझेयों के अगोपनीय अंश रखे गए हैं। यदि कोई हितबद्ध पक्षकार आवश्यक सूचना जुटाने से मना करती है या उचित समयावधि के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराती है या जांच में अत्यधिक बाधा डालता है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं और केन्द्रीय सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 27th August, 2002

Subject : Initiation of Anti-dumping investigation concerning import of Para Cresol from China PR.

No. 14/29/2002-DGAD.— M/s. Atul Ltd., Gujarat has filed a petition in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) alleging dumping of Para Cresol originating in or exported from China and requested for Anti Dumping investigations and levy of anti dumping duties.

PRODUCT INVOLVED

2. The product involved in the present petition is Para Cresol (hereinafter referred to as subject goods). It is classified under ITC HS code 290712 01 and under sub-heading 2907.12 of Customs Tariff Classification. The product finds major uses in Dyes and pigments, perfumery and drug intermediates, optical brightener, surfactants, synthetic food flavour, ultra violet light absorbers, anti-oxidants and stabilizers for lubricants. The Custom classification is however, indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.

DOMESTIC INDUSTRY

3. The petition has been filed by M/s. Atul Ltd., Gujarat. They are the only producer of Para Cresol in India. Therefore, the petitioner accounts for 100% of the domestic production of subject goods and therefore, the petitioners satisfy the criteria of standing as domestic industry to file the petition in terms of Rule 5(3) (a) of the Rules supra.

COUNTRY INVOLVED

4. The country involved in the present investigation is Peoples' Republic of China (hereinafter referred to as the subject country).

LIKE ARTICLE

5. The petitioners have claimed that there is no difference between the products manufactured by them and the subject goods being imported from subject country. Therefore, for the purpose of the present investigation, the goods produced by the petitioners are being treated as 'like articles' to that imported from the subject country within the meaning of the Rules supra.

NORMAL VALUE

6. The petitioners have claimed Normal Value in respect of exports of subject goods from China on the basis of constructed cost of production treating China as Non-market economy. The Authority proposes to examine the claim of the petitioner in the light of para 7 and 8 of Annexure 1 of the Anti Dumping Rules as amended. The Authority has *prima facie* considered the Normal value of subject goods in PR China on the basis of constructed cost of production as made available by the petitioner.

EXPORT PRICE

7. The petitioners have determined export price for subject countries on the basis of import figures collected from secondary sources. Adjustments have been claimed on account of ocean freight, marine insurance, inland transportation in the country of export, port handling and port charges to arrive at the Export Price at ex-factory level.

DUMPING MARGIN

8. There is sufficient evidence that Normal Value of the subject goods in the subject country is significantly higher than the net export price indicating *prima-facie* that the subject goods are being dumped by exporters from the subject country.

INJURY AND CAUSAL LINK

9. Petitioners have furnished information on various parameters relating to injury. Parameters such as increase in volume of imports, low return on investment, increased inventory, price under-selling, losses in the production and sale of subject goods and negative return on investments in the manufacturing of subject goods *prima-facie* indicate collectively and cumulatively that the Domestic Industry has suffered material injury on account of dumping.

INITIATION OF ANTI-DUMPING INVESTIGATIONS

10. The Designated Authority, in view of the foregoing paragraphs, initiates anti-dumping investigations into the existence, degree and effect of alleged dumping of the subject goods originating in or exported from the subject country.

PERIOD OF INVESTIGATION (POI)

11. The period of investigation for the purpose of present investigation is 1st April 2001 – 31st March 2002.

SUBMISSION OF INFORMATION

12. The exporters in the subject country and the importers in India known to be concerned with this investigation are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Designated Authority, Directorate General of Anti Dumping & Allied Duties Department of Commerce, Ministry of Commerce and Industry, Government of India,

Udyog Bhavan, New Delhi-110011. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below.

TIME LIMIT

13. Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are however, required to submit the information within forty days from the date of the letter addressed to them separately.

INSPECTION OF PUBLIC FILE

14. In terms of Rule 6(7), any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties.

In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

L V SAPTHARISHI, Designated Authority